महामारी तैयारी नवाचारों का गठबंधन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में स्वास्थ्य अनुसंधान के लिये **एशिया की पहली प्री-क्लीनिकल नेटवर्क सुविधा** क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र (Regional Centre of Biotechnology- RCB) **में स्थापित की गई।**

- यह महामारी तैयारी नवाचार गठबंधन (Coalition of Epidemic Preparedness Innovations- CEPI) के हिस्से के रूप में **फरीदाबाद** में ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (Translational Health Science & Technology Institute- THSTI) के अधीन है।

मुख्य बिंदु

- **CEPI ने** BSL3 रोगजनकों को नियंत्रित करने की क्षमता के आधार पर **BRIC-THSTI** को प्री-क्लीनिकल नेटवर्क प्रयोगशाला के रूप में चुना है।
    - यह **9वीं नेटवर्क प्रयोगशाला है** और यह एशिया की पहली प्रयोगशाला होगी, जो अमेरिका, यूरोप तथा ऑस्ट्रेलिया की अन्य प्रयोगशालाओं में शामिल होगी।
    - यह पशु सुविधा देश की सबसे बड़ी सुविधाओं में से एक है, जिसमें **लगभग 75,000 चूहों के साथ-साथ कमज़ोर प्रतिरक्षा वाले चूहे, खरगोश, हैम्स्टर और गिनी पिग भी रखे गए हैं।**
- जेनेटिकली डिफाइंड ह्यूमन एसोसिएटेड माइक्रोबियल कल्चर कलेक्शन (Ge-HuMic) फैसिलिटी" का भी उद्घाटन किया गया, जो **अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों और उद्योगों को अनुसंधान तथा विकास के लिये माइक्रोबियल कल्चर को प्रदान करने** के लिये एक "भंडार" के रूप में कार्य करेगा।
    - यह सुविधा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों तथा उद्योग के बीच सहयोग को सुविधाजनक बनाने के लिये एक **नोडल संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करेगी।**
    - यह देश में शोधकर्त्ताओं के लिये क्रायो-संरक्षित भ्रूण और शुक्राणु सहित **आनुवंशिक रूप से विशिष्ट रोगजनक-मुक्त जानवरों** का भी भंडारण कर सकेगा।

नवाचार के लिये महामारी तैयारी गठबंधन (CEPI)

- CEPI एक **वैश्विक साझेदारी** है जिसे भविष्य में महामारियों को रोकने के लिये टीके विकसित करने हेतु **वर्ष 2017** में शुरू किया गया था।
- CEPI की स्थापना **नॉर्वे और भारत** की सरकारों, **बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन,** वेलकम ट्रस्ट तथा विश्व आर्थिक मंच (World Economic Forum) द्वारा **दावोस (स्विट्ज़रलैंड)** में की गई थी।
- **जैव प्रौद्योगिकी विभाग,** विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा भारत सरकार Ind-CEPI मिशन 'रैपिड वैक्सीन डेवलपमेंट के माध्यम से भारत केंद्रित महामारी की तैयारी: वैश्विक पहल के साथ गठबंधन कर भारत में वैक्सीन का विकास' को लागू कर रही है
    - इस **मिशन के उद्देश्य** CEPI के उद्देश्यों के अनुरूप हैं और इसका लक्ष्य भारत में महामारी की संभावना वाले रोगों के लिये टीकों तथा संबंधित क्षमताओं/प्रौद्योगिकियों के विकास को मज़बूत करना है।

ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (THSTI)

- यह **जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT) का एक स्वायत्त संस्थान है।**
- यह **फरीदाबाद (हरियाणा)** में स्थित है।

जैव सुरक्षा स्तर (BSL)

- BSL (Biosafety Levels) का उपयोग प्रयोगशाला में श्रमिकों, पर्यावरण और जनता की सुरक्षा के लिये आवश्यक **सुरक्षात्मक उपायों की पहचान** करने के लिये किया जाता है।

- **जैविक प्रयोगशालाओं में** संचालित गतिविधियों और परियोजनाओं को **जैव सुरक्षा स्तर के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है।**
- चार जैव सुरक्षा स्तर BSL-1, BSL-2, **BSL-3** और BSL-4 हैं, जिसमें BSL-4 नियंत्रण का उच्चतम (अधिकतम) स्तर है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/coalition-of-epidemic-preparedness-innovations